समरक्तता

प्रलिम्सि के लयि:

समरक्तता, **जेनेटकि रोग**, इनब्रीडगि, **सस्टिकि फाइब्रोससि**

मेन्स के लयि:

समरक्तता से संबंधति लाभ और चुनौतयिाँ, स्वास्थ्य

स्रोत: द हदिू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कयि गए एक अध्ययन में **आनुवंशकिी और स्वास्थ्य** पर **समरक्तता के प्रभावों** पर प्रकाश डाला गया है। इस अध्ययन में **वशि्व भर के समुदायों में रोग की संवेदनशीलता तथा मानवीय लक्षणों के वकिास पर समरक्तता** के प्रभावों को स्पष्ट कयिा गया है।

समरक्तता (Consanguinity):

- **समरक्तता** के अंतरगत **सामाजकि और आनुवंशकि दोनों आयाम** मौजूद होते हैं। सामाजकि रूप से इसका अरथ है **चचेरे भाई अथवा बहन** जैसे रक्त संबंधयिों से ववािह करना, जबकआिनुवंशकि रूप से यह नकिट संबंधी व्यक्तयिों के बीच ववािह को संदर्भति करता है, इसे अक्सर **अंतःप्रजनन** कहा जाता है।
    - यह एक ऐसी व्यवस्था है जसिका **परवािर और जनसंख्या आनुवंशकिी दोनों पर प्रभाव** पड़ता है।

अध्ययन के मुख्य बदि:

- वशि्व की लगभग **15-20% आबादी में समरक्तता** की वशिेषता पाई जाती है, इसका प्रचलन **एशयिा और पश्चमि अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में अधकि** है।
    - माना जाता है क**िमसि्र और इंकास** सहति कुछ प्राचीन मानव सभ्यताओं में समरक्तता का अभ्यास कयिा जाता था।
    - आनुवंशकि साक्ष्यों से पता चलता है क**िमसि्र के राजा तूतनखामुन** का जन्म ऐसे माता-पति से हुआ था जो आपस में समरक्त संबंध रखते थे।
- भारत रक्तसंबंध अध्ययन के लयि एक समृद्ध स्थान है क्योंकयिहाँ **4,000 से अधकि अंतर्ववािही समूहों** या एक ही जात,ि जनजातयिा कबीले के सदस्य रहते हैं।
- आमतौर पर यह पाया गया कजिनि समुदायों में इस प्रकार के ववािह का प्रचलन है वहाँ सजातीयता के कारण आबादी में **मृत्यु दर** और **पुनरावर्ती आनुवंशकि रोगों की व्यापकता में वृद्धि** हुई है।

रक्त-संबंध से संबंधति लाभ और चुनौतयिाँ:

- **लाभ:**
    - सांस्कृतकि और सामाजकि परंपराओं का संरक्षण: कुछ समाजों में परवािर के भीतर ववािह करना एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा है जो सांस्कृतकि और सामाजकि मानदंडों को संरक्षति करने में सहायता करती है।
    - सामाजकि सुरक्षा जाल: सजातीय संबंध एक अंतर्नहिति सामाजकि सुरक्षा जाल प्रदान कर सकते हैं।
        - वत्तिीय, भावनात्मक या चकित्सिा संकट के समय रश्तिेदारों द्वारा एक-दूसरे की सहायता करने की संभावनाएँ अधकि होती हैं,

जिससे बाह्य सामाजिक सेवाओं पर बोझ कम हो जाता है।

- असंगति के न्यूनतम जोखिम: कुछ मामलों में किसी निकट संबंधी से विवाह करने से सांस्कृतिक, धार्मिक या सामाजिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में असंगति का जोखिम कम हो सकता है। इससे विवाह अधिक स्थायी हो सकते हैं।
- पशु और पौधों के प्रजनन कार्यक्रमों में आनुवंशिक सुधार: नियंत्रित प्रजनन सेटिंग्स में पौधों और जीव-जंतुओं में हानिकारक आनुवंशिक लक्षणों को रणनीतिक रूप से समाप्त करने तथा वांछनीय गुणों को बढ़ाने के लिये निकट संबंधित एकल जीव का संसर्ग एक व्यापक रूप से प्रयुक्त की जाने वाली तकनीक है।
  - चयनात्मक प्रजनन के माध्यम से वैज्ञानिक उन्नत और अधिक उत्पादक नस्लें विकसित कर सकते हैं, जिससे कृषि उपज बेहतर होगी तथा पशुधन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

- **समरक्तता संबंधी चुनौतियाँ:**
  - **आनुवंशिक विकारों का बढ़ता जोखिम:** रक्तसंबंध की सबसे महत्त्वपूर्ण चुनौती सामान्य अप्रभावी जीनों के साझा होने के कारण संतानों में **आनुवंशिक विकार** विकसित होने का बढ़ता जोखिम है।
    - **सिस्टिक फाइब्रोसिस** असमर्थता जैसी स्थितियाँ निकट संबंधियों की संतानों में अधिक पाई जाती हैं।
  - **सीमित आनुवंशिक विविधता:** निकट संबंधियों से विवाह करने से **जनसंख्या में आनुवंशिक विविधता सीमित** हो सकती है, जिससे संभावित रूप से बीमारियों और पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति सुभेद्यता/अनुत्थानशीलता न्यून हो सकती है।
  - **जटिल पारिवारिक गतिशीलता:** जब अनेक भूमिकाएँ और संबंध सामने आते हैं तो समरक्तता परिवारों में जटिल पारिवारिक गतिशीलता उत्पन्न कर सकती है।
    - समरक्तता से **निर्णय लेने और पारिवारिक पदानुक्रम** से संबंधित संघर्ष एवं तनाव उत्पन्न हो सकता है।
  - **व्यक्तिगत स्वायत्तता का संभावित क्षरण:** घनिष्ठ रूप से जुड़े समरक्तता समुदायों में, व्यक्तिगत स्वायत्तता का क्षरण हो सकता है, जहाँ विवाह, परिवार नियोजन और अन्य जीवन से संबंधित निर्णयों पर **परिवार अथवा समुदाय** का अधिक प्रभाव हो सकता है, यह संभावित रूप से व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करती है।
  - **घरेलू हिंसा के मामलों में महिलाओं की चुप्पी:** समरक्तता संबंधों में पारिवारिक सम्मान बनाए रखने के पारिवारिक और सांस्कृतिक दबाव बनाकर महिलाओं को **घरेलू हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित किया जा सकता है।**
    - यह चुप्पी **दुर्व्यवहार के चक्र को बनाए** रख सकती है, जिससे घरेलू हिंसा के मामलों में सहायता लेना या हस्तक्षेप करना मुश्किल हो जाता है।

आगे की राह

समरक्तता, संस्कृति, आनुवंशिकी और सामाजिक मानदंडों से जुड़ी एक प्रथा है, जिसके लिये एक **नाजुक संतुलन** की आवश्यकता होती है। इसकी चुनौतियों से निपटने के लिये **शिक्षा, कानूनी सुरक्षा उपायों और व्यक्तिगत चिकित्सा तथा आनुवंशिक परामर्श** जैसी सहायता सेवाओं के माध्यम से सामाजिक व स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान करने की आवश्यकता है। सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए **व्यक्तियों को सूचित विकल्प चुनने के** लिये सशक्त बनाना भी महत्त्वपूर्ण है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/consanguinity